विश्व हिंदी समाचार

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक प्रकाशन)

www.vishwahindi.com

वर्ष: 7 अंक: 27 सितंबर, 2014

देवनागरी में पंजीकृत होने लगे डोमेन नाम

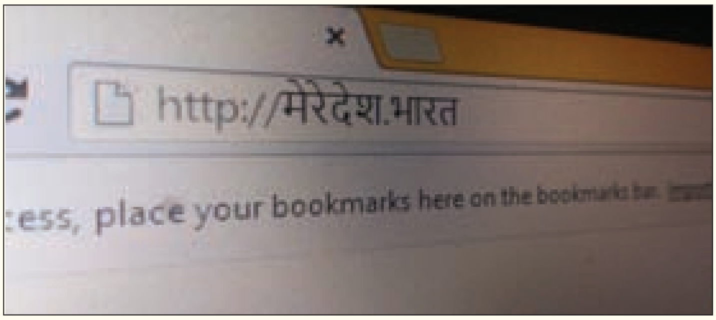

27 अगस्त, 2014 को डॉट भारत डोमेन नामों का आवंटन शुरु किए जाने की घोषणा की गई। भारत के नैशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया (निक्सी) ने इन डोमेन नामों की शुरुआत की है। आगे चलकर बंगला, उर्दू, पंजाबी, तेलुगु, तमिल और गुजराती जैसी भाषाओं में भी डॉट भारत डोमेन नामों का आवंटन शुरु किया जाएगा।

शेष पृ. 6

श्री अभिमन्यु अनत को साहित्य अकादेमी द्वारा मानद महत्तर सदस्यता अर्पण

26 अगस्त, 2014 को मॉरीशस के प्रख्यात कथा-साहित्य सम्राट श्री अभिमन्यु अनत को भारतीय साहित्य में योगदान के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा मानद महत्तर सदस्यता अर्पण की गई। अकादेमी के संविधान में श्रेष्ठ विदेशी लेखकों में से अकादेमी के मानद महत्तर सदस्यों के निर्वाचन के प्रावधान के तहत अकादेमी ने 23 अगस्त 2013 को चेन्नै, भारत में अपने परिषद की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया था।

शेष पृ. 6

हिंदी सेवी सम्मान वर्ष 2010 एवं 2011

बुधवार, 27 अगस्त, 2014 को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के हिंदी सेवी सम्मान (वर्ष 2010 एवं 2011) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा संस्थान की हिंदी सेवी सम्मान योजना के अंतर्गत 28 विद्वानों को हिंदी सेवी सम्मान प्रदान किए।

शेष पृ. 7

हिंदी दिवस 2014

मॉरीशस, भारत तथा विश्व के विभिन्न देशों में हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। विश्व भर में आयोजित इन गतिविधियों से आपका परिचय करा रहा है विश्व हिंदी समाचार का यह अंक।

शेष पृ. 2-3-4-5

आगे पढ़ें :

- व्यंग्य संगोष्ठी तथा गोयनका साहित्य पुरस्कार वितरण समारोह पृ. 8
- मुंशी प्रेमचंद की 134वीं जयन्ती कार्यक्रम संपन्न पृ. 8
- डॉ. कमल किशोर गोयनका बने केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के नए उपाध्यक्ष पृ. 9
- हिंदी अकादमी, दिल्ली द्वारा भारतीय कविता बिम्ब पृ. 10
- मॉरीशस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय (क्षेत्रीय) हिंदी सम्मेलन पृ. 12

ISSN 1694-2485

हिंदी दिवस 2014: मॉरीशस

महात्मा गांधी संस्थान द्वारा हिंदी सप्ताह

8-15 सितंबर, 2014 को महात्मा गांधी संस्थान द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्‌घाटन 8 सितंबर को हिंदी विभागाध्यक्षा, डॉ. अलका धनपत द्वारा संस्थान के सुब्रमण्यम् भारती सभागार में हुआ। हिंदी सप्ताह के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे स्वरचित कविता पठन प्रतियोगिता, आशुवाक् प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता। हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्‌देश्य से तथा संस्थान के छात्रों की कला व प्रतिभा को उभारने के लिए प्रतिवर्ष महात्मा गांधी संस्थान हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में यह आयोजन करता है। हिंदी विभाग तथा संस्थान के अन्य विभागों के छात्रों ने अत्यन्त रुचि तथा जोश के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन 15 सितंबर, 2014 को ब्रजेंद्र मधुकर भगत पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। अवसर पर प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

समारोह में महात्मा गांधी संस्थान एवं रवींद्रनाथ टैगोर संस्थान के महानिदेशक, श्री बिजय मधु, विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक महासचिव श्री गंगाधरसिंह सुखलाल तथा भारतीय उच्चायोग के द्वितीय सचिव, श्री मीमांसक, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के छात्रों, प्राध्यापकों तथा अकाडमिक ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई।

युवाज़ विशेषांक से साभार

हिंदी संगठन द्वारा हिंदी दिवस समारोह

12 सितंबर, 2014 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी स्पीकिंग यूनियन ने कला व संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में तथा विश्व हिंदी सचिवालय के सहयोग से मॉरीशस के मूर्धन्य हिंदी सेवक व कवि सोमदत्त बखोरी पर केंद्रित बहुत ही सुन्दर कार्यक्रम का आयोजन किया। विदेश मंत्री माननीय डॉ. अरविंद बुलेल तथा कला व संस्कृति मंत्री, माननीय मुकेश्वर चूनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अवसर पर माननीय डॉ. अरविंद बुलेल, माननीय मुकेश्वर चूनी, बखोरी जी के सुपुत्र संजय तथा हिंदी स्पीकिंग यूनियन के प्रधान श्री राजनारायण गति के विशेष वक्तव्य हुए। साथ ही भावपूर्ण व अर्थपूर्ण वक्तव्यों, कविताओं, संस्मरण और बखोरी जी के जीवन व साहित्यिक योगदान पर महात्मा गांधी संस्थान की प्राध्यापिका सुश्री अंजलि चिन्तामणि द्वारा अत्यन्त सुन्दर तथा सार्थक प्रस्तुति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। संदर्भ में बखोरी जी के कृतित्व पर अनेक गणमान्य लेखकों के लेखों का संकलन एक पुस्तक रूप में प्रकाशित किया गया जिसका लोकार्पण समारोह में हिंदी स्पीकिंग यूनियन के प्रधान श्री राजनारायण गति के हाथों हुआ। शोधार्थियों के लिए यह पुस्तक एक अनमोल दस्तावेज़ है। समारोह में इस वर्ष श्रीमती सीता रामयाद को हिंदी सेवा सम्मान से विभूषित किया गया और डॉ. इंद्रदेव भोला को साहित्य सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अनूप कुमार मुद्‌गल भी उपस्थित रहे।

हिंदी स्पीकिंग यूनियन की रिपोर्ट

हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा हिंदी दिवस

9 अगस्त 2014 को तुलसी जयंती के अवसर पर हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया। समारोह के अध्यक्ष-पद पर श्री सत्यदेव प्रियतम आसीन थे। अवसर पर भोजपुरी संगठन की अध्यक्षा, श्रीमती सरिता बुधू तथा विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यवाहक महासचिव, श्री गंगाधरसिंह सुखलाल के साथ अन्य कई महानुभाव, शिक्षक, छात्र व हिंदी प्रेमी उत्सव की शोभा बढ़ा रहे थे। सभा के प्रधान ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए बताया कि सभा हिंदी दिवस का आयोजन तुलसी जयन्ती पर करती है क्योंकि मॉरीशस में हिंदी भाषा के प्रचार में गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

श्रीमती सरिता बुधू ने मॉरीशस में भोजपुरी तथा हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के बारे में बात की। श्री सुखलाल ने भविष्य में हिंदी दिवस कैसे मनाया जाए तथा हिंदी भाषा के प्रति जवानों की क्या ज़िम्मेदारियाँ होनी चाहिए विषय पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सत्यदेव प्रियतम ने भाषा के प्रचार-प्रसार तथा छात्रों के भविष्य के बारे में बात करते हुए अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के अंतर्गत सभा द्वारा प्रकाशित 'पंकज' पत्रिका के नये अंक का लोकार्पण श्री सत्यदेव प्रियतम के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। कविता-वाचन प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त छात्रा धानिष्ठा तिंगरिया ने अपनी कविता सुनाई। वर्ष 2013 के परिचय से उत्तमा तक की परीक्षाओं में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। श्री प्रियतम ने अपनी ओर से पुरस्कृत छात्रों को 'पोल ए वर्जिनी' नामक पुस्तक के हिंदी अनुवाद की एक प्रति प्रदान की।

उत्सव की समाप्ति पर सभा के उप-प्रधान श्री तारकेश्वरनाथ ग्रिधारी ने उपस्थित मेहमानों के प्रति आभार प्रकट किया। बाकी उत्तीर्ण छात्रों को भी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री श्री धनराज शम्भु ने किया।

हिंदी प्रचारिणी सभा की रिपोर्ट

महात्मा गांधी माध्यमिक विद्यालय, मॉरीशस द्वारा हिंदी दिवस

1 अक्टूबर, 2014 को महात्मा गांधी माध्यमिक विद्यालय, नुवेल फ्रांस, मॉरीशस में प्रथम बार के लिए हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के तहत कार्यरत पाँच माध्यमिक पाठशालाओं के लिए एक 'कविता पाठ प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की निर्णायक समिति की अध्यक्षता श्री कुमारदत्त गुदारी, अध्यक्ष, भाषा संसाधन केंद्र, महात्मा गांधी संस्थान ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री गंगाधरसिंह सुखलाल, कार्यवाहक महासचिव, विश्व हिंदी सचिवालय उपस्थित थे। प्रतियोगिता में 20 से अधिक नवीन कवियों-कवयित्रियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। अवसर पर विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया साथ ही कुछ छात्रों को विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा 'विशेष जूरी सम्मान' प्रदान किया गया। यह आयोजन महात्मा गांधी संस्थान के हिंदी प्रचार आन्दोलन के अन्य कार्यक्रमों में एक नई पहल के रूप में जुड़ गई। इसमें अनोखी बात यह है कि इस प्रतियोगिता में न केवल हिंदी भाषी छात्रों ने बल्कि अहिंदी भाषी छात्रों ने भी भाग लेकर इसका मान बढ़ाया, यथा जोज़ों आक्सेल का हिंदी में अनूदित स्लाम, ज़ैरा बीबी मॉयतब की उर्दू शायरी, तातियाना पावें की हिंदी कविता और पुरनी पेर्माल्लू, जो तमिल भाषी है, की हिंदी में अनूदित कविता। जैसे कि किसी ने खूब कहा है, 'मैं अकेला ही चला था और फ़िर कारवाँ बनता गया', यह प्रतियोगिता भी हिंदी प्रचार के भव्य सागर में एक बूँद प्रयास है। आशा है कि यह कारवाँ चलता रहे और लोगों का साथ मिलता रहे।

अरविंदसिंह नेकितसिंह की रिपोर्ट

भारत में हिंदी दिवस

हिंदी दिवस समारोह: राजभाषा पुरस्कारों का वितरण

14 सितंबर, 2014 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली, के ओडिटोरियम में हिंदी दिवस समारोह मनाया गया जिसमें माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के कर कमलों से राजभाषा हिंदी के प्रयोग में सर्वश्रेष्ठ प्रगति हासिल करने वाले केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बोर्डों/स्वायत्त निकायों तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे।

सचिव (राजभाषा) ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि "माननीय राष्ट्रपति और गृह मंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए प्रेरणा प्रदान करेगी।"

गृह मंत्री जी ने अपने भाषण में कहा कि "भाषा के तीन वाहक होते हैं – संपर्क, संचार और संस्कृति। जहाँ तक संपर्क का प्रश्न है हिंदी निस्संदेह देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। भारत में आज 85 से 90 फ़ीसदी जनता ऐसी है जो हिंदी भलि-भाँति बोलती और समझती है।" स्वाधीनता आंदोलन के नेताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी को राजभाषा बनाने में हिंदीतर भाषियों की अग्रणी भूमिका रही है।

राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने अपने उद्बोधन में हिंदी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था कि यदि भारत की अन्य भाषाएँ नदी हैं तो हिंदी महानदी है।

अंत में सचिव (राजभाषा) सुश्री नीता चौधरी ने माननीय राष्ट्रपति, गृह मंत्री, सांसद, पुरस्कार विजेताओं तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदय और गृह मंत्री जी ने हिंदी दिवस के अवसर पर जो भी कहा है वह हमारे लिए निर्देश है और हम उसका पालन करेंगे।

नवसंचार समाचार.कॉम से साभार

हिंदी दिवस पर साहित्य नभ की काव्य गोष्ठी

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में नांगलोई क्षेत्र में साहित्य नभ संस्था की ओर से काव्य गोष्ठी का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रवक्ता यशस्वी कवि, कहानीकार पंडित हरनाम शर्मा जी ने की। मुख्य अतिथि श्री किशोर श्रीवास्तव थे तथा श्री ललित कुमार मिश्र ने मंच संचालन किया। गोष्ठी में अनेक कवि-कवयित्रियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा अध्यक्ष महोदय ने संदेश देते हुए सभी साहित्य नभ परिवार के सदस्यों को आगामी कार्यक्रमों के लिए भी प्रोत्साहित किया।

'हैदराबाद से' ब्लॉग से साभार

नाबार्ड में हिंदी समारोह की धूम

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के हैदराबाद स्थित तेलंगाणा और आंध्र प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय में हिंदी दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यालय में 28 अगस्त, 2014 से 12 सितंबर, 2014 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। 12 सितंबर, 2014 को आयोजित मुख्य समारोह में डॉ. ऋषभ देव शर्मा, प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी' पर ओजपूर्ण वक्तव्य दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री जि. जि. माम्मेन ने की।

'हैदराबाद' से ब्लॉग से साभार

आदित्य डिग्री & पी.जी.कॉलेज, गोपालपट्टनम

संवैधानिक सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाए जाने की 64वीं वर्षगांठ के अवसर पर आदित्य डिग्री कॉलेज, गोपालपट्टनम में 13 सितंबर, 2014 को "हिंदी दिवस" का आयोजन किया गया। दक्षिण भारत प्रचार सभा के प्रचारक श्री पी. रामा राव मुख्य अतिथि के रूप में अपस्थित थे जिन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रयोग एवं उससे लाभ पर अपना वक्तव्य दिया। इसके पश्चात 'युवंविती' स्मारिका पत्रिका का विमोचन हुआ। राषट्रीय गान से कार्यक्रम का समापन हुआ।

'आदित्य' ब्लॉग से साभार

कालिंपोंग में हिंदी दिवस

14 सितंबर, 2014 को दैनिक हिंदी जागरण के सहयोग से दार्जिलिंग हिंदी भाषा मंच द्वारा सप्ता श्री ज्ञानपीठ पाठशाला, कालिंपोंग के भवन में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विधान सभा के सदस्य, डॉ. हर्का बहादुर चेत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कविता एवं आशुवाक् प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं प्रशंसा-चिह्न से सम्मानित किया गया।

कालिंपोंग न्यूज़ डॉट नेट से साभार

औरंगाबाद, महाराष्ट्र में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

23 सितंबर, 2014 को महाराष्ट्र हिंदी विद्यालय, महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा और महाराष्ट्र हिंदी ग्रंथालय एवं वाचनालय, औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। डॉ. राजकुमार जी गडकर, प्राचार्य इं.पा. महिला महाविद्यालय, औरंगाबाद प्रमुख अतिथि, वक्ता एवं मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र हिंदी ग्रंथालय से साभार

भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज, कलकत्ता में हिंदी दिवस

15 सितंबर, 2014 को भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज, कलकत्ता में हिंदी दिवस मनाया गया। डॉ. वसुंधरा मिश्रा ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया तथा गणेश एवं सरस्वती वंदना हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री विशंबर नेवर ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि 'हिंदी सरल एवं वैज्ञानिक भाषा है'। अवसर पर भिन्न कार्यक्रम जैसे नृत्य, भाषण, गाना आदि का आयोजन भी किया गया।

भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज के वेबसाइट से साभार

भारत में हिंदी दिवस

आई.आई.टी. गांधीनगर में हिंदी दिवस

13 सितंबर, 2014 को भारतीय इंस्टीट्यूट ऑव टेकनोलोजी, गांधीनगर (अहमदाबाद, गुजरात) में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रो. सुधीर जैन ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि हिंदी वह धागा है जो राष्ट्र के बहुसांस्कृतिक आयामों को बाँधे हुए है। कविता पाठ के अतिरिक्त अमीर खुसरो की पहेलियों का एक चुनौती भरा दौर चला तथा "मुहावरा पूरा करो" का एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

गुजरात इ-समाचार पत्र बिल्कुल से साभार

रायन अंतरराष्ट्रीय स्कूल, चेमबुर में हिंदी दिवस

13 सितंबर, 2014 को रायन अंतरराष्ट्रीय स्कूल, चेमबुर में भव्य रूप से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। हिंदी भाषा के क्षेत्र में सम्मानित महानुभव डॉ. संतोष श्रीवास्तव, श्री अरविंद राही, डॉ. लक्ष्मण शर्मा तथा सुश्री सुमिता केशव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। हिंदी प्रहसन तथा कविताओं से हिंदी दिवस को अधिक सुहावन बनाया गया। रायन गीत, रायन गान एवं राष्ट्रीय गान से समारोह का समापन हुआ।

रायन अंतरराष्ट्रीय स्कूल, चेमबुर के फ़ेसबुक पृष्ठ से साभार

डॉ. पिल्लई ग्लोबल अकादमी में हिंदी दिवस

12 सितंबर 2014 को डॉ. पिल्लई ग्लोबल अकादमी, पनवेल में हिंदी दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। उस दिन विद्यालय का सारा कार्य हिंदी भाषा में संपन्न हुआ। छात्रों और अध्यापकों ने आपस में हिंदी में ही बातचीत की। मुख्य अतिथि डॉ. बृजबाला सूरी, प्रधानाचार्या श्रीमती अंजना साही एवं समन्वयिका श्रीमती श्रद्धा सरदेसाई की उपस्थिति में मंत्रोच्चारण की मधुर ध्वनि में दीप प्रज्ज्वलन तथा स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। समारोह को अधिक स्मरणीय बनाने हेतु दोहा गायन, गीत गायन, नाटक, हास्य व्यंग्य तथा कविता पाठ भी किया गया। अंत में अध्यापिका वैशाली जाधव जी ने सम्माननीय अतिथि तथा उपस्थित सभी जनों के प्रति आभार प्रदर्शित किया।

डॉ. पिल्लई ग्लोबल अकादमी वेबसाइट से साभार

बी.डी.एल. में हिंदी दिवस एवं पक्षोत्सव समारोह संपन्न

13 सितंबर, 2014 को भारत डायनामिक्स लिमिटेड में हिंदी दिवस समारोह तथा हास्य कवि-सम्मेलन संपन्न हुआ। गत 1 सितंबर को आरंभ हिंदी पक्षोत्सव का उद्घाटन कंचनबाग में 'कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता' से हुआ। पक्षोत्सव के दौरान कंचनबाग, भानूर समूह और विशाखापट्टनम इकाइयों में श्रुतलेख, शब्दावली, प्रश्नमंच, अंत्याक्षरी, कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग तथा पावर पोंइट पर तकनीकी पेपर प्रस्तुति-प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कवि-सम्मेलन में नगरद्वय के प्रो. ऋषभदेव शर्मा, डॉ. रामकृष्ण पाण्डेय, वेणुगोपाल भट्ट, वहीद पाशा कादरी, नीरज त्रिपाठी ने भाग लिया।

हैदराबाद से ब्लॉग से साभार

डी.ए.वी. सैंटनरी पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली में हिंदी दिवस

14 सितंबर, 2014 को डी.ए.वी. सैंटनरी पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा कविता लेखन एवं पठन, रचनात्मक लेखन एवं मंचीयता, हिंदी गाने, नाटक आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

डी.ए.वी. सैंटनरी पब्लिक स्कूल वेबसाइट से साभार

हिंदी दिवस 2014: विश्वभर में

ऑस्ट्रेलिया

21 सितंबर, 2014 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कैनबेरा के इंडिया ऑस्ट्रेलिया एसोसिएशन (आई.ए.ए.सी.) द्वारा थेओ नोटारस बहुसांस्कृतिक समारोह केंद्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सिडनी, मेलबॉर्न एवं कैनबेरा से आए कवियों ने हास्य कविताओं से समा बाँधी तथा नृत्य-गाने भी हुए। कैनबेरा के हिंदी समाज, हिंदी पाठशालाएँ, रेडियो मनपसंद एफ़एम 91.1 तथा ए.सी.टी. के भारतीय सीनियर सिटीज़न के विशेष सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इंडियन लिंक से साभार

कोलंबिया

19 सितंबर, 2014 को बोगोता, कोलंबिया में भारत के राजदूतावास में हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत राजदूत, महामहिम श्री प्रभात कुमार ने वर्तमान परिवेश में हिंदी के महत्व पर विशेष ध्यान आकृष्ट किया। अवसर पर हिंदी के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। हिंदी दिवस को सफल बनाने में बच्चों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सुश्री वलेंतीना पींतो ने भारत में अपने अनुभवों की चर्चा हिंदी में की। हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु सौ से भी अधिक कोलंबिया वासियों ने समारोह में भाग लिया।

भारतीय राजदूतावास, कोलंबिया-ईक्वाडोर के वेबसाइट से साभार

कतार

दिनांक 11 सितंबर, 2014 को उत्तर भारतीय संघ (North Indian's Association), दोहा, कतार द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया जिसमें हिंदी प्रेमियों ने अपने-अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हुए हिंदी की महिमा का गान किया।

उत्तर भारतीय संघ, दोहा, कतार के वेबसाइट से साभार

हिंदी दिवस 2014: विश्वभर में

शिकागो

14 सितंबर, 2014 को शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास के संरक्षण में संचालित हिंदी प्रेमी संघ द्वारा आशियाना बैंगक्वट भवन में हिंदी दिवस मनाया गया। संघ के अध्यक्ष, विनिता गुलबानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संघ के लक्ष्य तथा उद्देश्य पर प्रकाश डाला। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महावाणिज्यदूत, डॉ. ओसफ़ सयीद ने अपनी शुद्ध हिंदी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में स्थित उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, बंगाल, महाराष्ट्र, तेलुगू, गुजरात एवं सिंधी समुदाय की संस्थाओं के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए । श्री गुरबचन कौर के आभार से समारोह का समापन हुआ।

इंडिया पोस्ट न्यूज़ सर्विस के वेबसाइट से साभार

दक्षिण अफ़्रीका

13 सितंबर, 2014 को भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, जोहान्सबर्ग में हिंदी शिक्षा संघ ने प्रिटोरिया, स्प्रिंग्स, लेनेशिया की हिंदी पाठशालाओं तथा बेनोनी, ग्लेंदविस्ता, जोहान्सबर्ग, रोबर्तशाम व मेफ़ेंर के आर्यन बेनेवोलेंट होम के सहयोग से हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया। समारोह में श्री शिव श्रीवास्तव, श्री वी.के. सिंह तथा श्रीमान व श्रीमती अनिल सिंह गणमान्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भिन्न पाठशालाओं से आए छात्रों ने अपने जीवंत कार्यक्रमों से हिंदी की महिमा का गान किया तथा नृत्य, कविता पठन, सूर-संगीत तथा भाषणों से हिंदी दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हिंदी खबर सितंबर, 2014 से साभार

श्रीलंका

जाफ़ना

14 सितंबर, 2014 को भारत के प्रधान कोंसलावास, जाफ़ना द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित कविता-पठन प्रतियोगिता तथा निबंध-लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा अन्य प्रतिभागियों के उत्साह को बनाए रखने के उद्देश्य से उन्हें सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यवाहक महावाणिज्यदूत, श्री एस.डी. मूर्ति के साथ-साथ छात्रों के अभिभावक, छात्रगण, आम जनता तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

भारत का प्रधान कोंसलावास, जाफ़ना, श्रीलंका के वेबसाइट से साभार

कैंडी

शनिवार, 20 सितंबर, 2014 को चांसरी के सभागार, कैंडी में हिंदी विवस का आयोजन किया गया। महामाया महिला महाविद्यालय की प्रधानाचार्य, श्रीमती इन्द्रा वित्तानाछी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। भारतीय कला केंद्र के छात्रों ने इस अवसर पर दो घंटों का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें हिंदी गाने, संगीत, हिंदी में भाषण, नाटक एवं हिंदी गानों का वाद्यवृंद आदि कार्यक्रम सम्मिलित थे। साथ ही प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र तथा राष्ट्रभाषा परीक्षा के प्रमाण पत्रों का वितरण हुआ। कार्यक्रम में लगभग 250 लोगों ने भाग लिया तथा जलपान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

भारत का सहायक उच्चायोग, कैंडी

कुवैत

14 सितंबर, 2014 को कुवैत के भारतीय पाठशालाओं के सभागार में हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुरान-पठन एवं हिंदी-प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, 'भागते ज़िंदगी छूटते रिशते' का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने भाग लिया। भारतीय विद्या भवन के इंडियन एजुकेशनल स्कूल के अध्यक्ष, श्री टी. प्रेम कुमार ने विजेताओं को बधाई देते हुए हिंदी भाषा अध्ययन एवं भारतीय संस्कृति पर विशेष बल दिया तथा अध्यापकों एवं अभिभावकों की मेहनत को सराहा। अंत में श्रीमती सुंदरी बाला ने आभार प्रकट किया।

भारतीय विद्या भवन, इंडियन एजुकेशनल स्कूल, कुवैत के वेबसाइट से साभार

फ़्रांस

16 सितंबर, 2014 को पैरिस में भारतीय राजदूतावास द्वारा हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय जीवन एवं परिदृश्य पर आधारित दो प्रदर्शनियों से हुई। राजदूत, माननीय श्री अरुण के. सिंह ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में इस दिवस की तथा हिंदी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात, उन्होंने सोमवार, 15 सितंबर, 2014 को आयोजित हिंदी प्रतियोगिता के विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। महिंना खानम के ओड़िसी नृत्य प्रदर्शन, फिल्म 'चुपके-चुपके' के एक दृश्य का नाट्य रूपांतरण तथा हिंदी धारावाहिक 'ऑफ़िस-ऑफ़िस' पर आधारित एक प्रहसन से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

भारतीय दूतावास, पैरिस के वेबसाइट से साभार

कनाडा

20 सितंबर, 2014 को हिंदी साहित्य सभा टोरंटो, हिंदू सांस्कृतिक संस्था स्कारबरो एवं लक्ष्मीनारायण मंदिर गोल्डन ग्रुप के सौजन्य से हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में एक भव्य कवि सम्मेलन भी आयोजित हुआ। कवि सम्मेलन का संचालन श्रीमती राज कश्यप ने किया। मंच की शोभा सर्वश्री बालकिसून, भारतेंदू श्रीवास्तव, भगवतशरण श्रीवास्तव, देवेन्द्र मिश्र ने किया। कवि सम्मेलन का प्रारंम्भ सरस्वती वंदना से किया गया। इसके बाद श्री भारतेन्दू, श्री बालकिसून तथा श्री देवेन्द्र मिश्र ने अपने उद्गार में हिंदी भाषा के उन्नयन के बारे में काफ़ी रोचक बातें कहीं। इसके बाद लक्ष्मीनारायण मंदिर के सचिव श्री नवल गरोत्रा जी एवं गोल्डन ग्रुप के अध्यक्ष श्री वेद प्रकाश लाहर ने हिंदी की सेवा के लिए सभी को साधुवाद दिया। श्री श्याम त्रिपाठी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार पर ज़ोर दिया। कविता पाठ में अन्य कवियों में सर्वश्री सरन घई, राज महेश्वरी, पाठक जी, स्नेह सिंघवी, अरविन्द नराले, अनिल पुरोहित, शिव कुमार शर्मा, सरोज जोहर, राज कश्यप, कृष्णा बबूता, सुशांत सूरी, निर्मल करीर, राजकुमारी जैन शामिल थे। सभी कवि बन्धुओं एवं मंचासीन अतिथियों को शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री अनिल पुरोहित की रिपोर्ट

श्री अभिमन्यु अनत को साहित्य अकादेमी मानद महत्तर सदस्यता का सर्वोच्च सम्मान

26 अगस्त, 2014 को मॉरीशस के प्रख्यात कथा-साहित्य सम्राट श्री अभिमन्यु अनत को भारतीय साहित्य में योगदान के लिए साहित्य अकादेमी द्वारा मानद महत्तर सदस्यता अर्पण की गई।

अकादेमी द्वारा भारतीय साहित्यकारों को प्रदान किया जाने वाला 'साहित्य अकादेमी पुरस्कार' भारत में दिए जाने वाले सर्वोच्च साहित्यिक सम्मानों में से है। इसके अतिरिक्त साहित्य अकादेमी किसी लेखक का सर्वोच्च सम्मान उसे अपना महत्तर सदस्य चुनकर करती है। यह सम्मान विशिष्ट साहित्यकारों के लिए सुरक्षित है और एक समय में 21 महत्तर सदस्य हो सकते हैं। अकादेमी के संविधान में श्रेष्ठ विदेशी लेखकों में से अकादेमी के मानद महत्तर सदस्यों के निर्वाचन के प्रावधान के तहत अकादेमी ने 23 अगस्त 2013 को चेन्नै, भारत में अपने परिषद की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया। अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव द्वारा प्रेषित पत्र में कहा गया है कि ***'श्री अभिमन्यु अनत को सम्मानित करते हुए साहित्य अकादेमी स्वयं सम्मानित हो रही है।'***

26 अगस्त, 2014 को सायं 5.00 बजे साहित्य अकादेमी के सभाकक्ष, नई दिल्ली में यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने अवसर पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। अकादेमी के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ प्रसाद तिवारी के हाथों श्री अभिमन्यु अनत को महत्तर सदस्यता अर्पण की गई ।

अपने स्वीकृति वक्तव्य में श्री अभिमन्यु अनत जी ने कहा ***''आज से पांच दशक पूर्व जब 'शबनम' नाम से लिखना आरम्भ किया था तब कभी नहीं सोचा था कि शबनम की उस बूँद की आयु और उपलब्धि इतनी रहेगी कि साहित्य अकादेमी के मानद महत्तर सदस्यों की सूची में नाम जुड़ पाएगा। साहित्य अकादेमी के माध्यम से भारत की जनता ने आज मुझे इस सम्मान के योग्य बनाकर शबनम को क्षणभंगुरता पर विजय पाने की शक्ति दे दी है। ताम्र पत्र पर अंकित अमरत्व के इस वरदान को मैं अपने देश, अपने देश की जनता, अपने इतिहास और अपनी भाषा के नाम पर अत्यन्त विनम्रता के साथ नतमस्तक हो स्वीकार करता हूँ।''***

सम्मान समारोह में स्वयं श्री अभिमन्यु अनत तथा उनकी पत्नी सरिता व श्री गंगाधरसिंह सुखलाल उपस्थित थे।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

देवनागरी में पंजीकृत होने लगे डोमेन नाम

27 अगस्त, 2014 को भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री, माननीय रवि शंकर प्रसाद ने एक औपचारिक समारोह में डॉट भारत डोमेन नामों का आवंटन शुरु किए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही अपनी भाषा को हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि में पहचान दिलाने के इच्छुक हिंदी प्रेमियों की लंबे समय से चली आई आकांक्षा पूरी हो गई। भारत के नैशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (निक्सी) ने इन डोमेन नामों की शुरुआत की है। आगे चलकर वह बंगला, उर्दू, पंजाबी, तेलुगु, तमिल और गुजराती जैसी भाषाओं में भी डॉट भारत डोमेन नामों का आवंटन शुरु करेगा।

वास्तव में डॉट भारत डोमेन नाम का भाषा से कम, लिपि से अधिक संबंध है। ऐसी सभी भाषाओं, जिसमें देवनागरी लिपि का प्रयोग किया जाता है, उनमें अब इंटरनेट पर इस्तेमाल होने वाले वेब पते अर्थात युआरएल (URL) इस्तेमाल किए जा सकते हैं। मिसाल के तौर पर – विश्वहिंदी.भारत। यह एक डोमेन नेम है, जो देवनागरी लिपि में है, इसका अर्थ यह हुआ कि इस नाम से रजिस्टर्ड कराई गई वेबसाइट को खोलने के लिए आपको अपने इंटरनेट ब्राउज़र में, जहाँ आप वेब पता लिखते हैं (जैसे -www.yahoo.com<http://www.yahoo.com/>), वहाँ अंग्रेज़ी (लैटिन कैरेक्टरों) की बजाय देवनागरी में पता लिखने की छूट होगी। लेकिन सिर्फ़ उन्हीं वेबसाइटों का, जिन्होंने अपना देवनागरी डोमेन नेम रजिस्टर करवाया है।

यूनिकोड और यूटीएफ-8 नामक एन्कोडिंग प्रणालियों के आने के बाद यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं रह गई थी। हालाँकि फिर भी हमें इस मुकाम तक पहुँचने में परियोजना की शुरुआत के बाद तीन साल लग गए। कुछ तो सरकारी औपचारिकताओं की देरी हैं और कुछ देवनागरी की अपनी विशिष्ट प्रकृति की वजह से पैदा समस्याएँ। जैसे - हम पंडित शब्द को पन्डित या पण्डित के रूप में भी लिखते हैं। अब इस नाम से डोमेन नेम रजिस्टर करवाने पर इन्हें तीन अलग-अलग नाम माना जाए या फिर एक?

डॉट भारत डोमेन नामों का पंजीकरण जारी है। नए डोमेन नामों को लाँच करते समय एक खास अवधि उन लोगों तथा कंपनियों के लिए आरक्षित रखी जाती है, जिन्हें अपने ट्रेडमार्कों को सुरक्षित रखना है। जैसे कोकाकोला कंपनी अगर अपना नाम पंजीकृत करवाना चाहे तो इस अवधि में उसे तरजीह मिलेगी। ऐसा इसलिए ताकि कोई अनधिकृत लोग दूसरों के डोमेन नामों को पंजीकृत न करवा लें। इस अवधि को सनराइज़ पीरियड कहते हैं। इस अवधि के बीतने के बाद 15 नवंबर से डॉट भारत डोमेन नामों का पंजीकरण सबके लिए खोल दिया जाएगा।

नए डोमेन नामों से लाभ क्या होगा? पहला यह कि आपको अपने इंटरनेट ब्राउज़र में भातीय भाषाओं के नामों की अंग्रेज़ी स्पेलिंग लिखने के झंझट से छुटकारा मिलेगा, जिसमें प्रायः लोग गलती कर जाते हैं। दूसरे, ब्राउज़र में पूर्णतः हिंदी या देवनागरी देखने की आज़ादी होगी - वेब पते से लेकर पेजों तक। तीसरे, ऐसे लोग जो अंग्रेज़ी के साथ तालमेल नहीं बिठा पाते, देवनागरी के डोमेन नेमों वाली वेबसाइटों का आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन हाँ, विदेश के लोगों को, जो देवनागरी नहीं जानते, ऐसी वेबसाइटों तक पहुँचने में दिक्कत हो सकती है। इन सबसे बड़ा लाभ प्रतीकात्मक है। इंटरनेट ब्राउज़र में पूरी तरह अपनी भाषा में काम करने का अपना आनंद है। यह डोमेन नाम सूचना तकनीक में हिंदी के समक्ष उपस्थित एक और बाधा के धराशायी हो जाने का प्रतीक है।

श्री बालेन्दु शर्मा दाधीच की रिपोर्ट

हिंदी सेवी सम्मान वर्ष 2010 एवं 2011

बुधवार, 27 अगस्त, 2014 को राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के हिंदी सेवी सम्मान (वर्ष 2010 एवं 2011) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा संस्थान की हिंदी सेवी सम्मान योजना के अंतर्गत 28 विद्वानों को हिंदी सेवी सम्मान प्रदान किए गए।

इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्री एवं केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल की अध्यक्ष श्रीमती स्मृति ज़ुबिन इरानी, मंडल के उपाध्यक्ष प्रो. यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद, हिंदी जगत के वरिष्ठ विद्वानों और मीडियाकर्मियों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विदेश मंत्रालय के अधिकारियों, विभिन्न दूतावासों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ केन्द्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो. मोहन, आठों क्षेत्रीय केन्द्रों के क्षेत्रीय निदेशकों, विभागाध्यक्षों, कुलसचिव डॉ. चंद्रकांत त्रिपाठी और शैक्षिक एवं प्रशासनिक सदस्यों ने शिरकत की।

सम्मानित-पुरस्कृत किए जाने वाले हिंदी सेवी विद्वान (वर्ष 2010-2011):

गंगाशरण सिंह पुरस्कार

हिंदी प्रचार-प्रसार एवं हिंदी प्रशिक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2010 के लिए गंगाशरण सिंह पुरस्कार श्री आर. एफ़. नीरलकट्टी, सुश्री पद्मा सचदेव, श्री जान्हू बरूआ और डॉ. एस. ए. सूर्यनारायण वर्मा जबकि वर्ष 2011 के लिए डॉ. एच. बालसुब्रह्मण्यम, प्रो. रॉबिन दास, प्रो. टी. आर. भट्ट और श्री सिजगुरूमयुम कुलचंद्र शर्मा को दिया गया है।

गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार

हिंदी पत्रकारिता तथा रचनात्मक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2010 के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार श्री रवीश कुमार और श्री दिलीप कुमार चौबे जबकि वर्ष 2011 के लिए डॉ. शिवनारायण और प्रो. गोविन्द सिंह को दिया गया है।

आत्माराम पुरस्कार

वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य एवं उपकरण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वर्ष 2010 का आत्माराम पुरस्कार डॉ. अनिल कुमार चतुर्वेदी और श्री काली शंकर जबकि वर्ष 2011 के लिए यह पुरस्कार श्री महेश डी. कुलकर्णी और श्री विजय कुमार मल्होत्रा को दिया गया है।

सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार

हिंदी के विकास से संबंधित सर्जनात्मक/आलोचनात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सुब्रह्मण्य भारती पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2010 के लिए इस पुरस्कार से प्रो. सुधीश पचौरी और डॉ. श्याम सुंदर दुबे को सम्मानित किया गया। जबकि वर्ष 2011 के लिए इस पुरस्कार से प्रो. दिलीप सिंह और प्रो. नित्यानंद तिवारी को नवाज़ा गया।

महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार

हिंदी में खोज और अनुसंधान करने तथा यात्रा विवरण आदि के लिए दिए जाने वाले महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार से वर्ष 2010 के लिए डॉ. परमानंद पांचाल और प्रो. रघुवीर चौधरी को सम्मानित किया गया। जबकि वर्ष 2011 के लिए यह पुरस्कार प्रो. असगर वजाहत और श्री वेद राही को दिया गया।

डॉ. जार्ज ग्रियर्सन पुरस्कार

विदेशी हिंदी विद्वान को विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. जार्ज ग्रियर्सन पुरस्कार वर्ष 2010 के लिए प्रो. शमतोफ़ आज़ाद (उज़्बेकिस्तान) को दिया गया जबकि वर्ष 2011 के लिए इस पुरस्कार से प्रो. उ जो किम (दक्षिण कोरिया) को सम्मानित किया गया।

पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार

भारतीय मूल के विद्वान को विदेशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य के लिए पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2010 के लिए यह पुरस्कार प्रो. मदनलाल मधु (रूस) और वर्ष 2011 के लिए श्री तेजेन्द्र शर्मा (यू.के.) को दिया गया है।

केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग (भाषा प्रभाग) के अंतर्गत द्वितीय और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी के शिक्षण-प्रशिक्षण, अनुसंधान और बहुआयामी विकास के लिए कार्यरत एक शैक्षिक संस्था है। इसका संचालन स्वायत्त संगठन केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के विकास, प्रचार-प्रसार और प्रोत्साहन में संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिंदी राष्ट्रीय एकता और समन्वय की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्कभाषा के रूप में इस पर विभिन्न भारतीय भाषाओं में आपसी संवाद को बढ़ाते हुए भारत की समावेशी संस्कृति के विकास की भी ज़िम्मेदारी है। यही तथ्य केन्द्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना और इसके हर कार्यक्रम के मूल में विद्यमान रहा है। संस्थान विदेशों में हिंदी भाषा और उसके माध्यम से आधुनिक भारत की चेतना और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रसारित करने के लिए भी संकल्पित है।

पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार तथा लेखनी के वेबसाइट से साभार

मुंशी प्रेमचंद की 134वीं जयन्ती कार्यक्रम संपन्न

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के हिंदी विभाग के तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद की 134वीं जयन्ती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ.सत्यनारायण रहे एवं अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.रामवीर शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रेमचंद की कृति पर बनी लघु फिल्म 'ठाकुर का कुँआ' भी प्रदर्शित की गई जिसमें सामंतवादी प्रवृत्ति एवं छूआछूत की समस्याओं पर तीव्र कटाक्ष किया गया। फिल्म प्रदर्शन के साथ ही प्रेमचंद के अवदान पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। प्रेमचंद के व्यक्तित्व, कृतित्व, समाज में उनके योगदान आदि पर उपस्थित महानुभावों ने प्रकाश डाला। डॉ. एन. के. चतुर्वेदी ने प्रेमचंद के बारे में कई ऐतिहासिक जानकारी दी। साथ ही यह भी बतलाया कि लमही, वाराणसी में प्रेमचंद शोध संस्थान का निर्माण किया गया है जिससे उनपर शोधकार्य करने में सुविधा होगी। इस अवसर पर समारोह के संयोजक एवं हिंदी के सह आचार्य डॉ. नरेंद्र मिश्र, डॉ. कैलाश कौशल, डॉ. दिव्यासिंह राजपुरोहित, डॉ. कौशलनाथ उपाध्याय, डॉ. देवेंद्र गौतम, डॉ. एस. के मीणा, डॉ. श्रवणकुमार, डॉ.प्रेमसिंह एवं राजस्थानी विभाग के विभागाध्यक्ष सहित सौ से अधिक लोग सभागार में उपस्थित थे। जोधपुर के सर प्रताप उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई गयी। प्राचार्य डॉ. सर्वोत्तम माथुर सहित मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों ने मुंशी प्रेमचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर नव शिक्षा समाज के अध्यक्ष सुनील माथुर, सज्जन सिंह देवल व सारिका माथुर ने अपने व्याख्यानों में मुंशी प्रेमचंद द्वारा साहित्य जगत को दिये गये योगदानों पर चर्चा की। नौंवीं कक्षा के छात्रों ने भी मुंशी प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अनिल माथुर, भगवानचंद्र माथुर, राधेश्याम चौधरी, कुलदीप सैन, गौरव माथुर, जगदीश चौधरी, हर्षा कोटवानी, वीरेंद्र लूणावत आदि उपस्थित थे।

डॉ. राकेश कुमार दूबे की रिपोर्ट

त्रिलोक सिंह ठकुरेला को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान

21 सितंबर, 2014 को उत्तम नगर, नई दिल्ली में साहित्यकार त्रिलोक सिंह ठकुरेला को पंचवटी लोक सेवा समिति द्वारा हिंदी पखवाड़े के समापन के अवसर पर 'राष्ट्र-भाषा गौरव सम्मान' प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ रेड रोज़ मॉडल स्कूल के छात्रों द्वारा वंदेमातरम तथा सरस्वती वंदना से हुआ।

डॉ. परमानंद पांचाल के सान्निध्य में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. महेश चंद शर्मा (पूर्व महापौर और दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष), अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विद्वान डॉ. विमलेश कांति वर्मा तथा डॉ. किशोर श्रीवास्तव (संयुक्त निदेशक समाज कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार), सेवी एवं समारोह के अध्यक्ष शिक्षाविद् श्री परमानंद अग्रवाल तथा पंचवटी लोक सेवा समिति के संरक्षक डॉ. अम्बरीश कुमार ने त्रिलोक सिंह ठकुरेला (आबूरोड) को शॉल, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिन्ह एवं सद्साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। अन्य हिंदी सेवियों में मेहताब आज़ाद, डॉ. कीर्ति वर्धन, डॉ. माहे तलत सिद्दीकी, डॉ. संगीता सक्सेना, डॉ. गीतांजली गीत, दिनेश बैंस, सुरेन्द्र साधक, प्रख्यात ग़ज़लकार अशोक वर्मा, श्रीमती रजनी अरोड़ा तथा श्रीमती नीलम सहित अनेक विद्वानों को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान प्रदान किया गया। सी.बी.एस.ई. की परीक्षा में 90 से अधिक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को भी स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं सद्साहित्य भेंट किया गया। महानुभावों द्वारा वक्तव्य तथा उपस्थित कवियों द्वारा कविता प्रस्तुति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

श्रीमती साधना ठकुरेला की रिपोर्ट

व्यंग्य संगोष्ठी तथा गोइन्का साहित्य पुरस्कार वितरण समारोह

(बाएँ से कैलाश जाटवाला, डॉ. प्रेम जनमेजय, प्रो. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, कन्हैयालाल सराफ, श्यामसुंदर गोइन्का, चन्द्रशेखर धर्माधिकारी, विश्वनाथ सचदेव, ललिता गोइन्का, ममता कालिया, डॉ. राजन वेलूकर, डॉ. हरि जोशी, यज्ञ शर्मा, विष्णु नागर।)

कमला गोइन्का फाउण्डेशन एवं मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्यंग्य संगोष्ठी तथा गोइन्का पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ।

प्रथम सत्र में सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार तथा 'व्यंग्य-यात्रा' के संपादक डॉ. प्रेम जनमेजय के संयोजन में गद्य व्यंग्य पर चर्चा हुई। डॉ. प्रेम जनमेजय ने अपने बीज व्याख्यान की वर्तमान स्थिति तथा संभावनाओं के बारे में जानकारी दी तथा व्यंग्यपाठ की परंपरा को अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। प्रोफेसर डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, हिंदी विभागाध्यक्ष एवं प्रसिद्ध आलोचक ने व्यंग्य साहित्य के विकास व समाज में इसके बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। व्यंग्य पर विमर्श के बाद डॉ. हरि जोशी, श्री यज्ञ शर्मा, डॉ. सूर्यबाला, डॉ. अनंत श्रीमाली, श्री संजीव निगम, श्री विष्णु नागर, श्री लालित्य ललित, डॉ. प्रेम जनमेजय तथा श्याम गोइन्का के व्यंग्य पाठ से श्रोता मंत्र-मुग्ध हो गए।

द्वितीय सत्र में वरिष्ठ व्यंग्यकार डॉ. हरि जोशी को "गोइन्का व्यंग्य साहित्य सारस्वर सम्मान" से सम्मानित किया व संग-संग श्री यज्ञ शर्मा को "स्नेहलता गोइन्का व्यंग्यभूषण पुरस्कार" से, श्रीमती ममता कालिया को "रत्नीदेवी गोइन्का वाग्देवी पुरस्कार" से, श्री विष्णु नागर को "रामनाथ गोइन्का शिरोमणि पुरस्कार" से पुरस्कृत किया गया।

न्यायमूर्ति पद्मभूषण चन्द्रशेखर धर्माधिकारीजी की अध्यक्षता में आयोजित पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजन वेलूकर, कुलपति मुंबई विश्वविद्यालय थे तथा सम्माननीय अतिथि श्री विश्वनाथ, संपादक 'नवनीत' थे। कमला गोइन्का फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी श्री श्यामसुंदर गोइन्का ने सम्मानमूर्ति साहित्यकारों व अतिथियों का स्वागत किया। पुरस्कृत साहित्यकारों ने आभार व्यक्त करते हुए सारगर्भित व्याख्यान दिए। अध्यक्षीय भाषण में न्यायमूर्ति पद्मभूषण चन्द्रशेखर धर्माधिकारीजी ने फाउण्डेशन द्वारा हिंदी साहित्य के प्रति किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। डॉ. राजन वेलूकर ने पुरस्कृत साहित्यकारों को बधाई दी तथा साहित्य को समाज का दर्पण बताया। श्री विश्वनाथ सचदेव ने व्यंग्य संगोष्ठी की परंपरा को एक महत्वपुर्ण उपलब्धि बताया तथा फाउण्डेशन को साहित्य सेवा में अग्रसर बने रहने का सुझाव दिया। समारोह का संचालन समाजसेवी श्री कन्हैयालाल सराफ ने किया। श्रीमती ललित गोइन्का ने उपस्थित विभूतियों व श्रोताओं का आभार ज्ञापन किया।

साभार : कमला गोइन्का फाउण्डेशन

डॉ. कमल किशोर गोयनका बने केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के नए उपाध्यक्ष

डॉ. कमल किशोर गोयनका केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के वर्तमान उपाध्यक्ष बने हैं। दिल्ली के ज़ाकिर हुसैन कॉलेज से अवकाशप्राप्त डॉ. गोयनका प्रेमचन्द साहित्य के अधिकारी विद्वान एवं प्रामाणिक शोधकर्ता माने जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद पर उनकी अनेक पुस्तकें व लेख प्रकाशित हो चुके हैं। साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित प्रेमचन्द ग्रंथावली के संकलन एवं संपादन में उनका विशेष योगदान है।

इसके अलावा प्रवासी हिंदी साहित्य के संकलन, अध्ययन एवं विश्लेषण करने में भी आपकी अहम भूमिका स्वीकार की जाती है। आपके गतिशील मार्गदर्शन में केंद्रीय हिंदी संस्थान अपने निर्धारित उत्तरदायित्वों की पूर्ति करते हुए भविष्य पथ पर आगे बढ़ने के लिए कटिबद्ध है।

विश्व हिंदी सचिवालय की ओर से डॉ. कमल किशोर गोयनका को बधाई व हार्दिक शुभकामनाएँ।

चीन में नौवाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

20 से 26 अगस्त, 2014 तक चीन के बीजिंग स्थित होटल टानसुन बिजनेस में साहित्य, संस्कृति और भाषा की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका सृजनगाथा डॉट कॉम द्वारा नौवाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी के प्रसिद्ध आलोचक डॉ. खगेन्द्र ठाकुर उपस्थित थे। सम्मेलन में गुआंदोंग अंतरराष्ट्रीय भाषा विश्वविद्यालय, गुआंगदोंग, चीन के प्रो. डॉ. गंगा प्रसाद शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सृजनगाथा के हिंदी प्रचार-प्रसार के प्रयासों की सराहना की। अहमदाबाद; दिल्ली; रायपुर; कर्नाटक; भुवनेश्वर; जबलपुर; चंडीगढ़; लखनऊ आदि से आए वरिष्ठ रचनाकारों ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन को संबोधित किया।

सम्मेलन के अंतर्गत सृजनगाथा द्वारा पिछले आठ वर्षों से कला, साहित्य, संस्कृति और भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली युवा विभूतियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से श्री जयप्रकाश मानस को भी सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के उद्घाटन व रचनाकारों के अलंकरण के बाद 15 कृतियों का लोकार्पण किया गया।

9वें अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी का बाज़ार: बाज़ार की हिंदी' विषय पर उपस्थित विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

दूसरे दिन आयोजित तीसरे सत्र में कथा, लघुकथा, गीत, ग़ज़ल, कविता, अनूदित रचना पर आधारित अंतरराष्ट्रीय रचना पाठ हुआ। अंत में सम्मेलन को सफ़ल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों को गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, छत्तीसगढ़ की ओर से प्रशस्ति-पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों बिहार, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओड़िशा, पंजाब, पश्चिमबंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व चीन से पधारे शताधिक हिंदी के अधिकारी विद्वानों, अध्यापकों, लेखकों, भाषाविदों, पत्रकारों, टेक्नोक्रेटों, एवं अनेक हिंदी प्रचारकों ने भाग लिया।

दिनेश माली की रिपोर्ट

डिजिटल शब्दकोश और राजभाषा उपकरण सीडी का लोकार्पण

16 सितंबर, 2014 को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा डिजिटल शब्दकोश और राजभाषा उपकरण सीडी का लोकार्पण किया गया। यह लोकार्पण सुश्री नीता चौधरी, सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के करकमलों द्वारा अहमदनगर महाराष्ट्र के बीएसएनएल टेलीफ़ोन भवन में किया गया। इस सीडी में भारत सरकार की तकनीकी शब्दावली आयोग का पूरा शब्दकोश, हिंदी शब्द सागर, मेडिकल और अन्य शब्दकोश एकत्रित एक सिंपल डिक्शनरी में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य में सुश्री नीता चौधरी ने इस कार्य की प्रशंसा की। अवसर पर श्री विलास पवार (आई.ए.एस.), मुख्य कार्यकारी अधिकारी; श्री हरिंद्र कुमार, निदेशक राजभाषा विभाग; श्री पी. पी. नाचनकर, क्षेत्रीय प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया और सीडी के संकलक श्री विजय नगरकर, राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

श्री विजय नगरकर की रिपोर्ट

नीदरलैंड में हिंदी और सरनामी भाषा का अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन

25 जून 2014 को नीदरलैंड में स्थित इन्टरनेशनल पीस कोर्ट, इन्टरनेशनल जस्टिस कोर्ट और इन्टरनेशनल पुलिस कोर्ट के शहर द हेग में भारत की आधारशिला (संस्थापक – डॉ. दिवाकर भट्ट) और नीदरलैंड स्थित हिंदी यूनिवर्स फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय राजदूतावास के अंतर्गत महात्मा गांधी केन्द्र में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ।

भारतीय राजदूत महामहिम श्री राजेश नन्दन प्रसाद जी के मुख्य आतिथ्य और द हेग के उपमहापौर श्री रॉबिन बलदेव सिंह की अध्यक्षता में सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। विश्व में हिंदी के बढ़ते हुए महत्व और प्रसार से गौरवान्वित होते हुए भारत से आए हुए हिंदी अभियान के कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया। उपमहापौर श्री रॉबिन बलदेव सिंह ने अपने पुरखों के सुरीनाम पहुँचने की संवेदनशील और मार्मिक दास्तान को सरनामी भाषा में प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के अंतर्गत वैश्विक हिंदी अभियान की आवश्यकता के तहत विश्व में हिंदी भाषा परिवार का अस्तित्व और अस्मिता सत्र रखा गया था जिसके अंतर्गत उपस्थित विद्वानों ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र में विदेशों में हिंदी की भाषायी संस्कृति के महत्व को स्थापित किया गया। सम्मेलन के दौरान विश्व के महत्वपूर्ण हिंदी और भारतीय संस्कृति सेवियों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन नीदरलैंड में हिंदी भाषा और सरनामी भाषा तथा भाषायी संस्कृति का अभूतपूर्व सम्मेलन रहा।

प्रो. डॉ. पुष्पिता अवस्थी की रिपोर्ट

भारतीय कविता बिम्ब

6-7 सितंबर, 2014 को हिंदी अकादमी, दिल्ली का बहुत ही प्रतिष्ठित कार्यक्रम भारतीय बिम्ब दिल्ली के त्रिवेणी सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ आलोचक डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल व विषय प्रवर्तन वरिष्ठ कवि दिविक रमेश ने किया। डॉ. पालीवाल ने भारतीय कविता का एक परिदृश्य रखा तो दिविक रमेश ने भारतीय कविता में भारतीय (भारतीयता) पर अपना एक लघु आलेख प्रस्तुत किया। आयोजन में हिंदी कवियों में दामोदर खड़से, रेखा व्यास, प्रताप सिंह, सौमित्र मोहन, मिथलेश श्रीवास्तव, एकांत श्रीवास्तव, श्याम सखा श्याम, लीलाधर जगूड़ी, विश्व दीपक बमोला और शिव कुमार बिलग्रामी सम्मिलित थे। हिंदी कवियों के अतिरिक्त (जिनमें सचिव हरिसुमन बिष्ट ने कुछ नए कवियों को भी अवसर दिया) कश्मीरी के रफ़ीक राज, उर्दू के श्री तालिब रामपुरी और सुश्री राशिदा बक़्री, संस्कृत के डॉ. विजय कुमार कर्णोर, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, मराठी के श्री साईमन मार्टिन, ओड़िया की सुश्री शतपथी, बांग्ला के श्री अनिंदो चाकी, असमिया के श्री नंद सिंग बरकला, सिंधी के श्री मोहन हिमथानी और सुश्री जया जादवानी, पंजाबी की श्रीमती अमरजीत घुम्मन और डॉ. रवेल सिंह, नेपाली की सुश्री रेमिका थापा और श्री मनप्रसाद सुब्बा, राजस्थानी के श्री राजूराम बिजारणियाँ, तमिल की श्रीमती सत्या अशोकन, डोगरी की सुश्री पद्मा सचदेव, तेलगु के श्री ए. कृष्णा राव, मैथिली की सुश्री निवेदिता झा, कोंकणी के श्री विष्णु सूर्या वाघ, गुजराती की डॉ. डिना शाह तथा अंग्रेज़ी के श्री मकरंद परांजपे और श्री के.की.एन. दारुवाला ने भाग लिया।

'दिविक रमेश ' की रिपोर्ट

मैसूर में "राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा: स्वरूप और संभावनाएँ" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

12 अगस्त, 2014 को हिंदी अध्ययन विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर में "राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा: स्वरूप और संभावनाएँ" विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न हुई। उद्घाटन सत्र वंदना गीत से प्रारंभ हुआ। अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. प्रतिभा मुदलियार ने अपने भाषण में संगोष्ठी के विषय के महत्व एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। प्रो. शशिधर गुडिगेनवर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका परिचय दिया। बीज वक्ता प्रो. ऋषभ देव शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन किया। संगोष्ठी में दो विचार-सत्रों में विभिन्न कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने आलेख प्रस्तुत किए। प्रो. सुशील थॉमस, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, मैसूर तथा प्रो. रामप्रकाश, एस.वी., यूनिवर्सिटी, तिरुपति ने विचार-सत्रों की अध्यक्षता निभाकर अपने प्रभावी व्यक्तव्य दिए। समापन समारोह में छात्रों तथा अध्यापकों ने अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं। राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

हैदराबादसे ब्लॉग से साभार

साहित्य अकादमी द्वारा श्रीकृष्ण सरल स्मृति समारोह में आयोजित कवि-गोष्ठी

2-3 सितंबर, 2014 को साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा श्री कृष्ण सरल स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के द्वितीय दिवस को कवि-गोष्ठी का आयोजन डॉ. हरकांत अर्पित की अध्यक्षता में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना में किया गया। समारोह का उद्घाटन मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं राष्ट्रकवि श्री कृष्ण सरल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण तथा सरस्वती वंदना से हुआ। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के निदेशक प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल ने दिया। इस समारोह में नगर के प्रबुद्ध श्रोतागण एवं साहित्यप्रेमी काफ़ी संख्या में उपस्थित रहे जिसमें सर्वश्री महेन्द्र जैन, नरेन्द्र बज, आचार्य रामस्वरूप भारती, अरविंद सिंह रघुवंशी, अशोक सोनी, दीपक सोनी, निरंजन भाया कसेरा, कु. रंजना शर्मा, हरिश सोनी, मुबारक अली, डॉ. उषा जैन, डॉ. सतीश चतुर्वेदी शाकुन्तल, कमलेश श्रीवास्तव, उमाशंकर भार्गव दयालु, सूर्यप्रकाश राटौर, गोविंद राठौर, विजय ओझा, राकेश सिंह, अनिल सक्सेना, लक्ष्मीनारायण बुनकर, श्रीमती कीर्ति मोरोलिया गौतम, श्रीमती अल्पना शर्मा, डॉ. लक्ष्मीनारायण शोभन, कु. प्राची जैन आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। अंत में प्रो. शुक्ल ने आभर प्रकट किया।

अनिरुद्ध सिंह सेंगर की रपोर्ट

शिक्षक दिवस पर कवि सम्मेलन

5 सितंबर, 2014 को शिक्षक दिवस पर अध्यापक वर्ग कुरुक्षेत्र की ओर से कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उर्दू के अरुजी वरिष्ठ शायर डॉ. सत्य प्रकाश तफ्ता ज़ारी ने की। मुख्य अतिथि आचार्य महावीर शास्त्री जी करनाल थे तथा वरिष्ठ अतिथियों में डॉ. सरिता आर्य करनाल तथा डॉ. केवल कृष्ण रिषि कुरुक्षेत्र रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य शास्त्री, डॉ. तफ्ता व डॉ. सरिता, डॉ. तफ्ता व डॉ. सरिता आर्य द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उर्दू शायर बालबेज़ार ने किया। अवसर पर संस्कृत गीत, कुछ नज़्म व ग़ज़ल तथा कविताएँ प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम में आचार्य शास्त्री, डॉ. तफ्ता, डॉ. सरिता आर्य और बाल कृष्ण बेज़ार को शाल व स्मृति चिह्न तथा डॉ. दिनेश दधिची, डॉ. के.के. रिषि, प्राथमिक शिक्षक संघ के ज़िला प्रधान विनोद चौहान को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अन्य कवियों में रमेश कुमार शर्मा, संजीव कुमार, सूबे सिंह सुजान, दीदार सिंह कीरती, आबिद अली अंसारी ने भाग लिया।

सुबे सिंह सुजान की रिपोर्ट

मैथिलीशरण गुप्त स्मृति समारोहः अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'अक्षरवार्ता' का लोकार्पण

5-6 अगस्त, 2014 को साहित्य अकादेमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल द्वारा विदिशा शहर में आयोजित मैथिलीशरण गुप्त स्मृति समारोह संपन्न हुआ। उद्घाटन के अवसर पर उज्जैन से प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'अक्षरवार्ता' का विमोचन अकादेमी के निदेशक एवं वरिष्ठ विद्वान प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल एवं मंचासीन अतिथियों ने किया। पत्रिका का विमोचन प्रधान संपादक प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा, संपादक डॉ. मोहन बैरागी, संपादक मंडल के सदस्य डॉ. जगदीशचन्द्र शर्मा ने करवाया। इस अवसर पर विदिशा के शासकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कमल चतुर्वेदी, साहित्यकार डॉ. शीलचंद्र पालीवाल, डॉ. वनिता वाजपेयी, जगदीश श्रीवास्तव (विदिशा), डॉ. तबस्सुम ख़ान (भोपाल), युवा शोधकर्ता पराक्रमसिंह (उज्जैन) आदि अनेक संस्कृतिकर्मी और साहित्यकार उपस्थित थे। उज्जैन से प्रकाशित इस आई.एस.एस.एन. मान्य अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में कला, मानविकी, समाजविज्ञान, जनसंचार, विज्ञान, वैचारिकी से जुड़े मौलिक शोध एवं विमर्शपूर्ण आलेखों का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका देश-विदेश की विभिन्न अकादमिक संस्थाओं, संगठनों और शोधकर्ताओं के साथ ही इंटरनेट पर भी उपलब्ध होगी।

सांध्य दैनिक अक्षरवार्ता से साभार

हिंदी दिवस पर विशेष – दिव्यंका त्रीपाठी को सम्मानित

हिंदी दिवस के अवसर पर भारतीय टी.वी. के प्रसिद्ध धारावाहिक अभिनेत्री, दिव्यंका त्रिपाठी को विश्व हिंदू अकादमी द्वारा हिंदी के प्रति सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। आज के अंग्रेज़ी प्रभावित पीढ़ी में दिव्यंका का भारतीय व्यक्तित्व, बोल-चाल, पहनावा आदि प्रशंसनीय है। दिव्यंका प्रथम एवं एक मात्र अभिनेत्री है जिसे यह सम्मान प्राप्त है। इस सम्मान से उनकी गिनती अब ओम पुरी, सतीश कौशिक, अमोल गुप्ते आदि जैसे व्यष्टियों में होगा।

विश्व हिंदी अकादमी फ़ेसबुक पृष्ठ से साभार

महेंद्र दवेसर 'दीपक' के कहानी संग्रह 'पुष्प-दहन' का लोकार्पण

10 सितंबर, 2014 को महेंद्र दवेसर के चौथे कहानी संग्रह 'पुष्प-दहन' का लोकार्पण श्रीमती संगीता बहादुर के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। लंदन के नेहरू सेंटर में कार्यक्रम के संचालक थे बीबीसी के हिंदी यूनिट के पूर्व प्रधान, लेखक और कथा-यू.के. के अध्यक्ष सर्वप्रसिद्ध साहित्यकार, श्री कैलाश बुधवार। कार्यक्रम में साहित्यकार, सुश्री दिव्या माथुर एवं डॉ. कविता वाचक्नवी भी शामिल थीं। कार्यक्रम के आरंभ में नेहरू सेंटर की निदेशक श्रीमती संगीता बहादुर ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महेंद्र दवेसर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। अंत में महेंद्र दवेसर द्वारा हस्ताक्षर किए गए पुस्तकें सभा में उपस्थित वरिष्ठ साहित्यकारों को वितरित की गई।

दीपक दवेसर की रिपोर्ट

'रंग और नूर' इ-पुस्तक का विमोचन

मिसिसागा लाइब्रेरी टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा ने 28 सितंबर, 2014 को कनाडा में मनाए जा रहे भव्य "कल्चर डेज़" के दौरान कनाडा की हिंदी और उर्दू की प्रतिभाओं के इ-काव्य संकलन 'रंग और नूर' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस काव्य संकलन में कनाडा में निवास करने वाले हिंदी और उर्दू के करीब 22 कवियों की रचनाएँ सम्मिलित हैं। 'रंग और नूर' का लोकार्पण समारोह श्री अतुल तोलिया द्वारा संपन्न हुआ। लाइब्रेरी के सौजन्य से इतिहास और कला विभाग मेरियन कुट्राना का सराहनीय योगदान रहा। इस इ-पुस्तक का संपादन मीना चोपड़ा, नसीम सईद एवं अनिल पुरोहित ने किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में श्री भूपिंदर विरदी द्वारा इ-पुस्तक प्रकाशन पर एक कार्यशाला आयोजित हुआ। तदुपरांत श्री सनीर लाल द्वारा ब्लॉगिंग पर एक संक्षिप्त कार्यशाला हुई। इ-पुस्तक 'रंग और नूर' के बाद मीना चोपड़ा के पूर्व प्रकाशित काव्य संकलन 'सुबह का सूरज अब मेरा नहीं है' का भी विमोचन हुआ जो अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध है। कार्यक्रम का समापन कविता पाठ से हुआ।

श्री अनिल पुरोहित की रिपोर्ट

'ऋतुराज एक पल का' को नवगीत पुरस्कार

4 जुलाई, 2014 को नवगीत विधा के उन्नायक डॉ. शम्भुनाथ सिंह की 97 जयंती के अवसर पर वाराणसी के प्रसिद्ध पराड़कर स्मृति भवन में वरिष्ठ नवगीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र को भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित उनके नवगीत संग्रह 'ऋतुराज एक पल का' पर सन् 2014 का 'शम्भुनाथ सिंह नवगीत पुरस्कार' प्रदान किया गया। इस उपलक्ष्य में उन्हें मुख्य अतिथि श्री ज्ञानेन्द्रपति और फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती प्रभावती सिंह ने शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र व 21 हज़ार की सम्मान राशि भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य भूषण डॉ. जितेन्द्रनाथ मिश्र ने की। संस्था के महासचिव राजीव कुमार सिंह ने स्वागत करते हुए पुरस्कार की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और बताया कि यह 14वाँ पुरस्कार है। इससे पूर्व महेश्वर तिवारी, रामचन्द्र चंद्रभूषण, गुलाब सिंह, डॉ. सुरेश आदि सम्मानित हो चुके हैं। समारोह में संस्था से जुड़े और बुद्धिनाथ जी के काव्यपाठ के प्रेमी काशी के तमाम कवि, साहित्यकार, प्राध्यापक, संगीतकार, श्रोता और पत्रकार उपस्थित थे, जिनमें डॉ. रामसुधार सिंह, अशोक कुमार सिंह, सुरेन्द्र वाजपेयी, धर्मेन्द्र सिंह, अजित श्रीवास्तव, कार्टूनिस्ट जगत के शर्मा विशेष उल्लेखनीय हैं।

सृजन गाथा से साभार

संपादक मंडल की ओर से

अंतरराष्ट्रीय (क्षेत्रीय) हिंदी सम्मेलन, मॉरीशस

मॉरीशस सरकार व भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सचिवालय तथा देश की हिंदी शैक्षणिक व प्रचारक संस्थाओं हिंदी स्पीकिंग यूनियन, महात्मा गांधी संस्थान, आर्य सभा मॉरीशस, ऋषि दयानन्द इन्स्टिट्यूट, हिंदी प्रचारिणी सभा तथा सरकारी हिंदी शिक्षक संघ के सहयोग से 29 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 2014 तक मॉरीशस में एक अंतरराष्ट्रीय (क्षेत्रीय) हिंदी सम्मेलन का सफ़ल आयोजन किया गया।

सम्मेलन का विषय "प्रवासी देशों में हिंदी शिक्षण व प्रचार-प्रसार: अंतरराष्ट्रीय सहयोग व संभावनाएँ" रहा। इस सम्मेलन का आयोजन जोहान्सबर्ग में लगे 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन के मंतव्य 4viii के कार्यान्वयन स्वरूप किया गया जिससे कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी शिक्षण और हिंदी के प्रसार में आने वाली कठिनाइयों का समाधान खोजा जा सके।

सम्मेलन का लक्ष्य प्रवासी देशों में हिंदी की समग्र स्थिति व संयुक्त कार्रवाई की संभावनाओं के आकलन के माध्यम से इन देशों में हिंदी शिक्षण व प्रचार में संलग्न संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय व सहयोग स्थापित करना रहा।

सम्मेलन में विदेश से आए लगभग 30 तथा मॉरीशस से लगभग 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट विश्व हिंदी समाचार के अगले अंक में दी जा रही है।

प्रधान संपादक
श्री गंगाधरसिंह सुखलाल

संपादन सहयोग
सुश्री श्रद्धांजलि हजगैबी, श्रीमती विजया सरजु, श्रीमती उषा राम, खुश्बू चूड़ामन, कैलाश दावराज़

विश्व हिंदी सचिवालय
स्विफ्ट लेन, फ़ॉरेस्ट साइड 74427, मॉरीशस

World Hindi Secretariat
Swift Lane, Forest Side 74427, Mauritius
Phone: (230) 676 1196
Fax: (230) 676 1224
Email: info@vishwahindi.com
Website: www.vishwahindi.com
Printed by
BAHADOOR PRINTING LTD.
Avenue St. Vincent de Paul – Pailles
Tel: (230) 208 1317